वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :2 अंक : 191 | रविवार 6 नवम्बर 2022 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

गलतापीठ में चल रहे भगवान के ब्रह्मोत्सव में राज्यपाल ने शिरकत की

भगवान श्रीनिवास और भूदेवी-श्रीदेवी के कल्याणोत्सव के साक्षी बने राज्यपाल मिश्र

जयपुर. शाबाश इंडिया

राज्यपाल कलराज मिश्र शनिवार को गलतापीठ में भगवान श्रीनिवास, श्रीदेवी व भूदेवी के ब्रह्मोत्सव के अंतर्गत कल्याणोत्सव के साक्षी बने। उन्होंने भगवान की पूजा कर देश और प्रदेशवासियों की सुख, समृद्धि और खुशहाली की कामना भी की। सुसज्जित पालकियों में विराजमान भगवान श्रीनिवास व भूदेवी-श्रीदेवी का विधि-विधान से कल्याणोत्सव दक्षिण भारत के विद्वानों द्वारा संपन्न कराया गया। कल्याणोत्सव के अंतर्गत विश्वक्सेन निमंत्रण, पुण्याहवाचन, कल्याणवाचन, महासंकल्प, कन्यादान, माला पलटन आदि कार्यक्रम किए गए। विवाह में वस्त्र, फल, नैवेद्य, आभूषण आदि अर्पित किए गए। गलता पीठाधीश्वर स्वामी अवधेशाचार्य ने शॉल ओढ़ाकर राज्यपाल का स्वागत किया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु और भक्तगण उपस्थित रहे।

आत्मविश्वास से लक्ष्य की ओर बढ़ने से ही सपने पूरे होते है: कर्नल राज्यवर्धन

शिक्षा बुनियाद है, ईमारत स्वयं खड़ी करनी पड़ती है। देश ही हमारी पहचान हमेशा इसकी मजबूती के लिए काम करें: कर्नल राज्यवर्धन

जयपुर. शाबाश इंडिया

भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता और जयपुर ग्रामीण सांसद कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ ने मणिपाल युनिवर्सिटी के दीक्षांत समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में युवाओं को सम्बोधित किया। इस दौरान उन्होंने अपने जीवन के अनुभव साझा करते हुए कहा जब आप शिक्षा के क्षेत्र में आते हो तो कच्ची मिट्टी के समान होते हो। जिस प्रकार एक कुम्हार अपनी मेहनत से कच्ची मिट्टी को उपयोगी वस्तु के रूप में परिवर्तित करता है ठीक उसी प्रकार से शिक्षक अपनी मेहनत से छात्र को इतना मजबूत करता है जिससे युवा अपने घर-परिवार, समाज और राष्ट्र को मजबूत बनाने में सक्षम हो जाता है। ज्ञान को एक्शन में डालने से ही नतीजा निकतला है। असफलताओं से घबराकर लक्ष्य

को नहीं छोड़ना चाहिए। आप कितनी बार असफल हुए हो इससे फर्क नहीं पड़ता क्योंकि दुनिया सिर्फ आपकी जीत को याद रखती है। शिक्षा बुनियाद है, ईमारत स्वयं खड़ी करनी पड़ती है, एक अच्छी ईमारत के लिए बुनियाद का मजबूत होना बहुत आवश्यक है इसलिए विद्यार्थी को सिर्फ किताबी ज्ञान तक ही सीमित नहीं रहना चाहिए। हमारे चारों तरफ ज्ञान का भण्डार है और हमें ज्ञान अर्जित करते रहना चाहिए।

पीएम मोदी के कुशल नेतृत्व में आज देश में बहुत बड़ा बदलाव आया है...

कर्नल राज्यवर्धन ने कहा आत्मविश्वास से लक्ष्य की ओर बढ़ने से ही सफलता मिलती है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के कुशल नेतृत्व में आज देश में बहुत बड़ा बदलाव आया है। देश मजबूत से आगे बढ़ रहा है और विश्व में भारत का मान बढ़ा है। उन्होंने कहा हमारा देश ही हमारी पहचान है, यह हमें कभी नहीं भूलना चाहिए देश की शान में ही हमारी शान है, इसलिए हमेशा देशहित सर्वोपरि मानते हुए जीवन में कार्य करने चाहिए। हमें अपने देश को इतना मजबूत बनाना है कि समय पड़ने पर हम दूसरों को रास्ता दिखाए।

नीना प्रमोद पहाड़िया को पोस्टर भेट किया

जयपुर. शाबाश इंडिया। A R L infratake की डायरेक्टर श्रीमती नीना पहाड़िया और प्रमोद पहाड़िया को कार्यक्रम संस्कारो का शंख नाद का पोस्टर भेट कर मुख्य अथिति के रूप मे उपस्थित होने का संस्था अध्यक्ष शकुन्तला बिन्दायका ने निवेदन किया।

किड्स प्राइड स्कूल मे फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता का आयोजन

जयपुर. शाबाश इंडिया। किड्स प्राइड स्कूल मे छोटे बच्चों की फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता आयोजित की गई । प्रेप के विधार्थी हर्ष गंगवाल पुत्र डॉ मुकेश - स्वाति गंगवाल ने अपनी ड्रेस से 'नो प्लास्टिक' पर समाज को एक मैसेज देने की बहुत सुंदर प्रस्तुति दी ।

आर्यिका विज्ञाश्री माताजी ने कहा...

अनन्त सिद्ध परमेष्ठी की आराधना से कल्याण संभव

निवाई. शाबाश इंडिया

भारत गौरव गणिनी आर्यिका विज्ञा श्री माताजी के सानिध्य में चल रहे नवदिवसीय अनुष्ठान के दौरान प्रवचनमाला मे आर्यिका विज्ञा श्री माताजी ने श्रद्धालुओं को कहा कि अष्टान्हिका पर्व एक वर्ष में तीन बार आता है आषाढ़ फाल्गुन एवं कार्तिक माह में आते हैं और इन्हीं दिनों में श्रद्धालु इन पर्वो की पूजा अर्चना करके पुण्यार्जन करते हैं। उन्होंने कहा कि अष्टान्हिका पर्व मे मुख्यतः सिद्ध चक्र विधान या नन्दीश्वर विधान किया जाता है मेनासुन्दरी ने भी श्रीपालजी आदि 700 रोगियों के कुष्ट रोग निवारण के लिए सिद्ध चक्र विधान किया था उन्होंने कहा कि इन पर्वो मे सिद्ध चक्र विधान मे अनन्त सिद्ध परमेष्ठी की आराधना की जाती है। आर्यिका विज्ञा श्री माताजी शनिवार को अग्रवाल मंदिर पर श्रद्धालुओं को सम्बोधित कर रही थी उन्होंने कहा कि आदमी मुट्ठी बांधे आता है हाथ पसारे चला जाता है उसके साथ न कुछ आता है और न साथ में वह कुछ ले जाता है उसके अच्छे बुरे कार्य उसकी कीर्ती और अपकीर्ति को इस भूमण्डल पर बिखराते रहते हैं।

देश की नामचीन 41 हस्तियों को राष्ट्रीय ब्राह्मण शिरोमणी अवार्ड से सम्मानित

बनेगी चाणक्य सेना, अत्याचार व अनाचार के खिलाफ ब्राह्मण आगे आयेगा

नई दिल्ली. शाबाश इंडिया

देशभर में ब्राह्मणों की चाणक्य सेना का निर्माण किया जायेगा। जो कि किसी भी अत्याचार अनाचार के खिलाफ मुखर होकर बोलेगी। साथ ही पुरे देश में ज्योतिष, वास्तु एवं कर्मकाण्ड के सेंटर स्थापित किये जायेगें। यह निर्णय सर्व ब्राह्मण महासभा की ओर से नई दिल्ली में आयोजित राष्ट्रीय ब्राह्मण अधिवेशन में हुआ। समारोह की अध्यक्षता करते हुए सर्व ब्राह्मण महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष पं. सुरेश मिश्रा ने कहा कि आज ब्राह्मण समाज संघर्ष काल में जी रहा है। उसे अपने अतीत को सुरक्षित रखते हुए वर्तमान युग के साथ सामंजस्य बैठाना है और संस्कारों को आगे बढ़ाना है। समारोह के मुख्य अतिथि श्री श्री 1008 निरंजन पीठाधीश्वर आचार्य महामंडलेश्वर परम पूज्य स्वामी कैलाशानंद गिरि जी महाराज ने कहा कि ब्राह्मण सभी को दिशा दें और संस्कारों को आगे बढ़ाये तो निश्चित रूप से समाज के सभी वर्गो का उत्थान हो पायेगा। समाज के सभी वर्गो में ब्राह्मणों का सम्मान है लेकिन आज आवश्यकता इस बात की है कि हम सब एकजुट रहकर नई पीढ़ी को संस्कारवान बनाएं और वर्तमान परिस्थितियों में देश और दुनिया के साथ चलते हुए भारतीय संस्कारों को पूरे विश्व में फैलायें इस अवसर पर उच्चतम न्यायालय की पूर्व न्यायाधिपति मा. जस्टिस ज्ञान सुधा मिश्रा ने कहा कि विश्वभर के ब्राह्मणों को सामूहिक रूप से संगठित होकर कार्य करना पड़ेगा साथ ही इन्होने पण्डित सुरेश मिश्रा को पुरे विश्व में ब्राह्मणों को संगठित करने के लिये कहा।समारोह के विशिष्ट अतिथि कानून विद एडवोकेट एच.सी. गणेशिया ने ब्राह्मणों की दशा और दिशा पर प्रकाश डाला, ब्राह्मण सम्मान समागन समारोह के संयोजक राकेश के शुक्ला ने महासभा की भावी गतिविधियों की जानकारी देते हुए बताया कि आगामी दो माह में पूरे देश में चाणक्य सेना का निर्माण किया जाएगा और 5 जनवरी को इसकी आधिकारिक घोषणा हो जायेगी। ज्योतिष, वास्तु एवं कर्मकाण्ड के सेंटर देश में स्थापित किये जायेंगे और देशभर के ब्राह्मण संगठनों को एकजुट करके वर्ष 2023 में दिल्ली में ब्राह्मणों का बड़ा शक्ति प्रदर्शन होगा। इस अवसर पर सुदीप तिवाड़ी शिक्षा सचिव घाटा मेहंदीपुर बालाजी ट्रस्ट ने सर्व ब्राह्मण महासभा की शिक्षा योजनाओं में सहायता देने की घोषणा की हैं । महासभा के प्रदेश उपाध्यक्ष दिनेश शर्मा ने धन्यवाद ज्ञापित किया । राष्ट्रीय स्तरीय इस समारोह में पुरे देश से 25 राज्यों के प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया और सभी ने सामूहिक रूप से ब्राह्मण एकता पर बल दिया साथ ही पुरे देश में ब्राह्मण संगठनों को एकजूट करने की जिम्मेवारी भी पंडित सुरेश मिश्रा को दी गई । इस अवसर परह्यराष्ट्रीय ब्राह्मण शिरोमणीह्लह्ल सम्मान से प्रमुख रूप से विष्वपति त्रिवेदी-भारतीय प्रशासनिक सेवा (दिल्ली), आनंद कुमार मिश्रा-भारतीय पुलिस सेवा (दिल्ली), मुकेश त्यागी-फिल्म निर्माण (मुम्बई), एडवोकेट अवध बिहारी कौशिक-वरिष्ठ अधिवक्ता सुप्रीम कोर्ट (दिल्ली), पद्मभूषण पं. विश्वमोहन भटट-संगीतकार (राजस्थान), राजेश शर्मा-पत्रकारिता (राजस्थान), अमित मिश्र-समाज सेवा (उत्तर प्रदेश), आलोक त्रिपाठी-भारतीय पुलिस सेवा (राजस्थान), गोपाल मिश्रा-राजकीय सेवा (राजस्थान), विकास शर्मा-प्रशासनिक सेवा (दिल्ली), नीलेश शुक्ला-प्रशासनिक सेवा (गुजरात), मनीष त्रिपाठी-फैशन डिजाइनर (मुंबई), साकेत मिश्रा-समाज सेवा (मुम्बई) रविशंकर पुजारी-गौ सेवा (राजस्थान), रघुपति दास-धर्म सेवा (राजस्थान), योग गुरु ढाकाराम-योग (राजस्थान), प्रोफेसर डॉ. अशोक मिश्र-शिक्षा (हरिद्वार), अविनाश त्रिपाठी-साहित्य (मुम्बई), एडवोकेट राजीव दुबे-विधिक सेवा (नोएडा), राजीव तिवारी-पत्रकारिता (उत्तर प्रदेश), आर.के. शर्मा-व्यवसाय (मथुरा), राहुल शर्मा-व्यवसाय (जयपुर), प्रदीप शर्मा-लेखन (नोएडा), सतेन्द्र त्रिपाठी-पत्रकारिता (दिल्ली), डी.के. मिश्रा-चार्टेड अकाउंटेंट (दिल्ली), राजीव शर्मा-समाज सेवा (मध्यप्रदेश), सुश्री प्राची शर्मा-एंटरप्रेन्योर (दिल्ली), डॉ. सत्य सारस्वत-चिकित्सा (राजस्थान), आचार्य पं. ताराचंद शास्त्री-ज्योतिष (जयपुर), मनमोहन रामावत-पत्रकारिता (दिल्ली), नरेश शर्मा-पत्रकारिता (मेरठ), आशीष तिवारी-पत्रकारिता (देहरादून), सुरेन्द्र पण्डित-पत्रकारिता (दिल्ली), राजेन्द्र व्यास-पत्रकारिता (दिल्ली), बृजेंद्र रेही-लेखक (राजस्थान), संगीता शुक्ला-लेखक एवं अंकशास्त्री (दिल्ली), नीति भटट-लेखक एवं स्तंभकार (दिल्ली), पं. ब्रह्मानंद लसियाल-समाज सेवा (उत्तराखंड), डॉ. निजानन्द ओझा-शिक्षा को सम्मानित किया गया।कार्यक्रम का सफल संचालन आचार्य राजेश्वर एवं मंगलाचरण पं. अभिषेक अवस्थी ने किया।

गणिनी आर्यिका स्वस्तिभूषण माताजी ससंघ का भट्टारक जी की नसियां में गुरु चरण वन्दना के लिए हुआ भव्य मंगल प्रवेश

जयपुर. शाबाश इंडिया

भट्टारक जी की नसियां में शनिवार को दिगम्बर जैन सन्तों के मिलन का अदभुत दृश्य देखने को मिला। मौका था आचार्य सुनील सागर, आचार्य शशांक सागर महाराज एवं गणिनी आर्यिका स्वस्ति भूषण माताजी ससंघ के गुरु चरण वन्दना मिलन समारोह का। इस मौके पर आयोजित धर्म सभा में समवशरण में विराजमान आचार्य सुनील सागर महाराज ने प्रवचन देते हुए कहा कि गुरु एवं माता पिता से बढ़कर कुछ नहीं है। यदि इनके चरणों को छू लिया तो समझो चारों धाम की यात्रा हो गई। गुरुओं के वचन फलते हैं। जीवन में वात्सल्य का बडा ही महत्व है। परिवार में,समाज में वात्सल्य होना चाहिए। माईण्ड सेट हो तो जिन्दगी आबाद हो जाती है। माइण्ड अप सेट हो तो जिन्दगी बर्बाद हो जाती है। कुएं का पानी अनन्त जीवों की रक्षा का केन्द्र है । मुनि राजों एवं आर्यिका माताजी की भक्ति से गृहस्थी के पाप धुलते हैं । धर्म सभा के शुभारंभ पर गणिनी आर्यिका स्वस्ति भूषण माताजी चातुर्मास व्यवस्था समिति एवं पदमपुरा कमेटी के पदाधिकारियों ने चित्र अनावरण, दीप प्रज्वलन किया। गणिनी आर्यिका स्वस्ति भूषण माताजी ने प्रवचन में कहा कि धर्म से जुड़ जाता है वो अपने जीवन में सेट हो जाता है। गुरु,सेवा धर्म की प्रभावना में जयपुर वासी आगे रहते हैं मन में पक्के भाव हो तो सब काम हो जाते हैं, बहानें बनाना खुद के जीवन को पीछे करना है।घर में बड़े बुजुर्गो की सेवा करनी चाहिए । वात्सल्य से समाज परिवार चलाया जाता है जीवन में धर्म का बड़ा ही महत्व है। इससे पूर्व माताजी ससंघ का गाजे बाजे से भव्य

भट्टारक जी की नसियां में जयकारों के बीच आचार्य सुनील सागर जी, शशांक सागर जी महाराज ससंघ से हुआ भव्य मंगल मिलन

जुलूस के रूप में शनिवार को भट्टारक जी की नसियां में आचार्य सुनील सागर एवं आचार्य शशांक सागर महाराज की गुरु चरण वंदना हेतु भव्य मंगल हुआ। नसियां के मुख्य द्वार पर दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र श्री महावीरजी कमेटी की ओर से अध्यक्ष सुधांशु कासलीवाल एवं मानद् मंत्री महेन्द्र कुमार पाटनी के नेतृत्व में माताजी के पाद पक्षालन एवं मंगल आरती की गई। मंदिर दर्शन के बाद माताजी ने आचार्य श्री सुनील सागर एवं आचार्य शशांक सागर महाराज की तीन परिक्रमा लगाकर गुरु चरण वन्दना की तथा कुशलक्षेम पूछी। द्वय आचार्यों ने माताजी ससंघ को आशीर्वाद प्रदान किया। भव्य मिलन एवं गुरु चरण वन्दना के इस अदभुत एवं अनूठे दृश्य को देखने के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु गण उमड़ पड़े। पूरा नसियां परिसर जयकारों से गुंजायमान हो उठा। आचार्य श्री को श्रीफल भेंट करने के बाद मंच पर गणिनी आर्यिका स्वस्ति भूषण माताजी चातुर्मास कमेटी के हेमन्त सोगानी, प्रदीप जैन, विनोद जैन कोटखावदा, जे एम जैन,चेतन जैन निमोडिया,दीपक बिलाला,अजय बड़जात्या, भारत भूषण अजमेरा, शुभकामना परिवार के जय कुमार कोठ्यारी , विवेक सेठी आदि का आचार्य सुनील सागर चातुर्मास कमेटी की ओर से देव प्रकाश खण्डाका, ओम प्रकाश काला 'मामाजी', रुपेन्द्र छाबड़ा, राजेश गंगवाल, राजीव जैन गाजियाबाद, शान्ति कुमार सोगानी, विनय सोगानी, विनोद तिजारिया, सतीश अजमेरा आदि ने तिलक, माल्यार्पण व दुपट्टा पहनाकर स्वागत व सम्मान किया। आचार्य श्री के पाद पक्षालन एवं जिनवाणी भेंट करने का पुण्यार्जन वैशाली नगर निवासी वीर चन्द-ऊषा, गजेन्द्र, प्रवीण, विकास,प्रिया बड़जात्या एवं परिवारजनों ने किया। राजस्थान जैन युवा महासभा जयपुर के प्रदेश महामंत्री विनोद जैन कोटखावदा ने अपने जन्म दिन के उपलक्ष्य में आचार्य श्री सुनील सागर, आचार्य शशांक सागर एवं गणिनी आर्यिका स्वस्ति भूषण माताजी से श्रीफल भेंट कर आशीर्वाद प्राप्त किया। कमेटी की ओर से कल्पद्रुम महामण्डल विधान के सौधर्म इन्द्र शान्ति कुमार सोगानी जापान वालों ने माल्यार्पण कर स्वागत किया। पूरा सभागार जयकारों से गुंजायमान हो उठा। मंच संचालन इन्दिरा बड़जात्या ने किया। इससे पूर्व माताजी ससंघ का मालवीय नगर के सैक्टर 3 स्थित श्री शांतिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर से मंगल विहार हुआ जो जेएलएन मार्ग, सौम्य मार्ग, गांधीनगर, बापू नगर , राम बाग सर्किल होते हुए रिजर्व बैंक पहुंचा जहां से विशाल जुलूस नसियां के लिए रवाना हुआ। जुलूस के दौरान श्रद्धालुओं ने भक्ति नृत्य किये तथा नाचते गाते जुलूस में शामिल हुए।

विनोद जैन कोटखावदा ने जन्मदिन साधु संतो के सानिध्य मे मनाया

आर्यिका स्वस्ति भूषण माताजी ने अपने प्रवचन में समाज सेवी विनोद जैन कोटखावदा को जन्म दिन के अवसर पर जैन संस्कृति एवं जैन धर्म की प्रभावना बढ़ाने, दिगम्बर जैन संतों की सेवा भक्ति करने, जैन धर्म की पताका चारों ओर फहराने का आशीर्वाद प्रदान किया।

बंगाली बाबा गणेश मंदिर में आज 6 नवम्बर को होगा अन्नकूट महोत्सव

जयपुर. शाबाश इंडिया। दिल्ली रोड स्थित बगाली बाबा गणेश मंदिर में अन्नकूट महोत्सव रविवार को शाम 5 बजे से मनाया जाएगा। इस मौके पर गणेश जी महाराज का श्रंगार व लड्डुओं की झांकी सजाई जाएगी। मंदिर प्रबंध समिति के उपाध्यक्ष व संयोजक संजय पतंगवाला ने बताया कि इस मौके पर अन्नकूट प्रसादी श्रद्धालु पंगत में बैठकर अन्नकूट प्रसादी का आनंद लेंगे। इस मौके पर गणेश जी महाराज का श्रंगार व लड्डुओं की झांकी सजाई जाएगी,साथ ही श्रीआत्माराम जलेश्वर महादेव के अन्न कूट की झांकी सजाई जाएगी।

आचार्य मृदुल कृष्ण जयपुर में 12 जनवरी से सुनाएंगे भागवत

जयपुर. शाबाश इंडिया। गिर्राज संघ परिवार विश्वकर्मा जयपुर के 25 वें वार्षिकोत्सव पर 108 विशाल श्रीमद भागवत ज्ञानयज्ञ का आयोजन 12 जनवरी से 18 जनवरी तक विद्याधर नगर सेक्टर-7 स्थित अग्रसेन हॉस्पीटल के पीछे स्थित प्रांगण में किया जाएगा। तैयारियां जोरों पर चल रही है। अध्यक्ष रामरतन अग्रवाल व महासचिव गिरीश अग्रवाल ने बताया कि इस मौके पर व्यासपीठ से श्रद्धेय आचार्य गोस्वामी मृदुल कृष्ण जी महाराज श्रीधाम वृंदावनवाले भक्तों का भक्ति और आस्था की गंगा में डुबकी लगवाएंगे। कथा 12 जनवरी से 18 जनवरी तक रोजाना दोपहर 2 बजे से साम 6 बजे तक होगी।

वेद ज्ञान

सर्वथा भारहीन होगा साधक

कोई भी सच्चा साधक होगा, वह सर्वथा भारहीन होगा। साधक और भार, ये दोनों 36 के अंक की भांति विपरीत दिशा में हैं। साधक भीतर और बाहर से हर क्षण हल्केपन की अनुभूति करे। ऐसा इसलिए, क्योंकि लघुता की साधना करने वाला साधक ही प्रभुता का वरण कर सकता है। जिसका किसी पर स्वामित्व नहीं, वह पूरे जगत का सम्राट बन जाता है। असल में प्रभुता दूसरों पर शासन करने, अधिक से अधिक सुख-सुविधा भोगने, वैयक्तिक स्वार्थ साधने या प्रतिष्ठा के शिखर पर चढ़ने के लिए नहीं होती। प्रभुता वह होती है जो मनुष्य को स्वयं से परिचित कराती है। स्वयं पर अनुशासन करना सिखाती है और स्वयं के भीतर छिपी हुई ज्ञान, दर्शन, चरित्र और तप की समृद्धि बढ़ाने की क्षमता प्रदान करती है। अब यह मनुष्य के स्वयं के सोचने का विषय है कि उसे लघुता से प्रभुता की दिशा में अग्रसर होना है या प्रभुता के दर्प या अहंकार से लघुता की ओर फिसलना है। रामकृष्ण परमहंस के शब्दों में स्वामी के पास ही वैभव आता है, गुलाम को कभी कुछ नहीं मिलता। स्वामी वह है जो बिना साधन-सुविधाओं और ठाटबाट के रह सके, जिसका जीवन संसार की क्षुद्र और सारहीन वस्तुओं पर अवलम्बित नहीं रहता। एक साधु का मन इतना निर्लोभी होना चाहिए कि उसके सामने कितना ही बड़ा आकर्षण उपस्थित हो, फिर भी वह शांत बना रहे। ऐसी मनोवृत्ति वाला साधक सदा सुखी रहता है और इस लघुता के भाव के कारण ही सहजता से सारे संसार को अपनी ओर आकृष्ट करता है और इसी से वह प्रभुता संपन्न बनता है। भगवान महावीर ने कहा है कि भारीपन चाहे शरीर का हो, वस्तु का हो या विचारों का हो, वह व्यक्ति के मन को बेचैन बनाता है। जो सच्चा साधक या साधु होगा, वह सभी प्रकार के भार की अनुभूति से मुक्त होगा। वह अनावश्यक चिंता का भार नहीं ढोएगा। वह चिंता और चिंतन में भेद करना जानता होगा। वेदांत का यह बहुत अच्छा विचार है- नाम और रूप से ऊपर उठे बगैर समस्या का समाधान नहीं होता। केवल शरीर को नहीं देखना है। केवल वेशभूषा में नहीं अटकना है, भीतर तक जाने का प्रयास करना होगा। जहां आत्म तत्व की अनुभति होगी वहां कोई विवाद नहीं हो सकता, झगड़ा नहीं हो सकता। मनुष्य अपने अज्ञान के कारण, भ्रांतियों और संदेहों के कारण समस्या पैदा करता है। सकारात्मक चिंतन विकसित करके ही धर्म और साधना के वास्तविक स्वरूप

संपादकीय

अब जहरीली हवा ने किया स्कूलों को बंद

कोरोना महामारी से निपटने के लिए जो उपाय अपनाए गए, उसका हासिल अभी लंबे वक्त तक आकलन का विषय बना रहेगा, लेकिन कुछ प्रभाव इस रूप में सामने आए हैं जो भविष्य के लिए भी चिंता पैदा करते हैं। मसलन, पिछले कुछ दशकों में सबसे ज्यादा जोर देश में शिक्षा की सूरत सुधारने पर दिया गया था, मगर कोरोना की मार की वजह से सबसे बुरी तरह प्रभावित होने वाला क्षेत्र भी यही है। गुरुवार को जारी शिक्षा मंत्रालय की एक रिपोर्ट के मुताबिक, कोरोना के दौर में यानी 2020-21 में देश भर में बीस हजार से ज्यादा स्कूल बंद हो गए और पिछले साल के मुकाबले शिक्षकों की तादाद में करीब दो फीसद की गिरावट दर्ज की गई। भारत में स्कूली शिक्षा के लिए एकीकृत जिला शिक्षा सूचना प्रणाली प्लस की रिपोर्ट में यह उजागर हुआ है कि करीब एक लाख नवासी हजार,

यानी शिक्षकों की कुल संख्या के दो फीसद कार्यबल से बाहर हो गए। इसके अलावा, आर्थिक तनाव की वजह से पहले वर्ष की तुलना में दूसरे वर्ष में लगभग दोगुना विद्यार्थियों ने निजी स्कूल छोड़ कर सरकारी स्कूलों की ओर रुख कर लिया। देश के विकास में शिक्षा की अहमियत हर कोई समझता है और अगर किसी वजह से भारी तादाद में स्कूलों के बंद होने की हालत पैदा हो रही है, तो निश्चित रूप से यह शिक्षा के मोर्चे पर चिंता पैदा करने वाली बात है। मंत्रालय की रिपोर्ट के आंकड़े औपचारिक आकलन के दौरान दस्तावेजों में दर्ज आधिकारिक ब्योरों के मुताबिक है। इसके अलावा भी प्रभावित परिवारों में बच्चों की पढ़ाई-लिखाई को लेकर निराशाजनक तस्वीर बनी है। सच यह है कि पिछले करीब तीन साल से देश और दुनिया में जो हालात रहे हैं, उसमें पढ़ाई से दूर होने वाले बच्चों के परिवारों के सामने विकल्प लगातार कम होते गए हैं। हालत यह है कि महामारी की घोषणा के बाद लगी पूर्णबंदी के दौरान व्यापक पैमाने पर जिस तरह लोगों की आमदनी और रोजी-रोटी पर विपरीत असर पड़ा, उससे प्रभावित ज्यादातर परिवारों में सबसे पहले बच्चों की पढ़ाई-लिखाई को ही बाधा पहुंची। आमदनी कम होने की वजह से बड़ी संख्या में बच्चों ने या तो स्कूल छोड़ दिया या फिर फीस आदि खर्च वहन नहीं कर पाने के चलते निजी स्कूल छोड़ कर सरकारी स्कूलों में दाखिला ले लिया। रिपोर्ट के मुताबिक, इस दौरान जहां सरकारी स्कूलों में दाखिले के आंकड़े में 83.35 लाख तक की बढ़ोतरी हुई। इसके उलट निजी स्कूलों में 68.85 लाख तक बच्चे कम हुए। ऐसे में बहुत सारे निजी स्कूलों के बंद होने और शिक्षकों की नौकरी जाने की वजह समझी जा सकती है। दरअसल, महामारी से बचाव के लिए पूर्णबंदी को जिस तरह लागू किया गया था, उसका असर बहुआयामी था। एक ओर संक्रमण से बचाव के लिए स्कूल बंद हो रहे थे, दूसरी ओर एक बड़ी आबादी का रोजगार बुरी तरह प्रभावित हुआ।

-राकेश जैन गोदिका

परिदृश्य

आतंक का मंसूबा

पाकिस्तान में आतंकवाद सेना और वहां की खुफिया एजेंसी का एक प्रमुख हथियार है। ये दोनों इसका इस्तेमाल न सिर्फ भारत के खिलाफ करते हैं, बल्कि अपने विरोधियों या जिनके चलते उनके लिए असहज स्थिति उत्पन्न होती है, उनके विरुद्ध अपने देश में भी करने से गुरेज नहीं करते। इसका ताजा उदाहरण वहां के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान पर हमला है। सब जानते हैं कि सेना प्रमुख से इमरान खान का मनमुटाव होने वजह से उनकी सरकार पलट दी गई थी। इस समय वे सत्ता के खिलाफ देश में विरोध मार्च निकाले हुए हैं। यह बात वहां के सेनाधिकारियों और खुफिया एजेंसी आइएसआइ को बुरी तरह खटक रही थी। बताया जा रहा है कि यह हमला उन्हीं के इशारे पर हुआ। गनीमत है कि गोली इमरान खान के पैर में लगी और वे बच गए। जिस व्यक्ति ने गोली चलाई, वह उनके काफिले के साथ चल रहा था और उनके वाहन के करीब से अत्याधुनिक स्वचालित हथियार से गोली दागी। हालांकि यह समझना मुश्किल है कि उस काफिले की सुरक्षा व्यवस्था में इस तरह की खामी कैसे रखी गई कि कोई हथियारबंद आदमी पूर्व प्रधानमंत्री के वाहन के करीब तक पहुंच गया। पाकिस्तान अपने एक प्रधानमंत्री को ऐसी ही स्थितियों में खो चुका है, फिर भी उससे सबक लेना क्यों जरूरी नहीं समझा गया। मगर यह ज्यादा हैरानी का विषय इसलिए नहीं है कि जिन लोगों पर इमरान खान की सुरक्षा की जिम्मेदारी है, जब वही उनसे असहज महसूस कर रहे हैं, तो किसी हमलावर का उनके काफिले में घुस जाना कोई मुश्किल काम नहीं हो सकता। दरअसल, इमरान खान अब तक के प्रधानमंत्रियों से अलग मिजाज के व्यक्ति हैं। अब तक वहां के प्रधानमंत्री एक तरह से सेना और आइएसआइ के इशारे पर चलते रहे हैं। वहां की सेना किस कदर ताकतवर है, यह सब जानते हैं। वह वहां की समांतर सत्ता की तरह काम करती है। जो प्रधानमंत्री उसके विरुद्ध जाने का प्रयास करता है, उसका तख्ता पलट करने में भी देर नहीं लगाती। मगर इमरान खान ने अनेक मौकों पर सेना की सलाह मानने से इनकार कर दिया, जिसकी वजह से सेनाध्यक्ष और उनके बीच तल्खी बनी रही। दरअसल, इमरान खान पाकिस्तान की तरक्की के लिए योजनाएं बना रहे थे और इस क्रम में वे उन देशों से भी रिश्ते बेहतर करने का प्रयास कर रहे थे, जिनसे कड़वाहट बनी रहती है। पाकिस्तानी सेना चूंकि अपनी सत्ता इसीलिए कायम रखे हुए है कि वह हर समय हिंदुस्तान से जंग का माहौल बनाए रखती है। यह माहौल वहां के हुक्मरानों को भी रास आता है, क्योंकि इससे उन्हें देश की बदहाली की तरफ देखने का मौका नहीं मिल पाता। इमरान खान देश के बुनियादी ढांचे को बदलना चाहते थे। इस तरह सेना की ताकत कम होती। इसीलिए इमरान खान की सरकार गिरा दी गई। अब जब उन्होंने देश की अवाम को सत्ता और सेना की हकीकत बताने के मकसद से विरोध मार्च निकाला, तो बताया जा रहा है कि उन्हें रास्ते से ही हटा देने की योजना बनाई गई। हालांकि हमलावर गिरफ्तार हो चुका है और उसका कहना है कि इमरान खान की बातों से वह परेशान हो उठा था। मगर दुनिया के सामने एक बार फिर वहां के निजाम की हकीकत खुल चुकी है। पता नहीं वहां की सेना और खुफिया एजेंसी कब इस बात को समझ पाएगी कि आतंकवाद का यह भस्मासुर उसके सिर पर भी हाथ रख सकता है।

गलत करने की इच्छा मन में आने लगे तो समझ लेना रावण जन्म लेने वाला है: समकितमुनिजी

जैन धर्म वर्तमान के साथ भविष्य भी देखने वाला धर्म। शांतिभवन में समकितमुनिजी के 'एक था रावण' विषय पर प्रवचन

सुनील पाटनी. शाबाश इंडिया

भीलवाड़ा। गलत होने पर भी जो कुतर्क से स्वयं को सही साबित करने का प्रयास करता है समझ लेना उसके भीतर रावण जन्म ले रहा है। ऐसे व्यक्ति गलत होने पर भी कुतर्क के माध्यम से स्वयं को सही साबित करने में लगे रहते है तो कहीं न कही उनमें रावण जन्म ले रहा है। जो सज्जन को भी नहीं छोड़ता समझ लेना उसके भीतर रावण जन्म लेने वाला है। सज्जन बर्बाद करने के लिए आगे बढ़ने वाला खुद बर्बाद हो जाता है इसलिए जिंदगी में सज्जन को बर्बाद करने के सपने कभी मत देखो। ये विचार आगमज्ञाता, प्रज्ञामहर्षि डॉ. समकितमुनिजी म.सा. ने शांतिभवन में शनिवार को ''**एक था रावण**'' विषय पर प्रवचन में व्यक्त किए। मुनिश्री ने कहा कि जब गलत करने की इच्छा मन में जन्म लेने लगे तब समझ लेना रावण जन्म लेने वाला है। नजदीकी फायदा देख आगे बढ़ते और दूर का नुकसान दिखाई नहीं देता तो भी समझ लेना रावण जन्म लेने वाला है। रावण का जन्म हमारे भीतर से होता है। हम तुरंत लाभ देखते और दूरगामी नुकसान की अनदेखी कर देते है। पेनकीलर लेने से बीमारी खत्म नहीं होगी तात्कालिक राहत मिलती है, वह दर्द को खत्म करने की बजाय उसे महसूस नहीं होने

देता है। उन्होंने कहा कि किसी के समझाने पर भी जो न समझे तो समझ लेना रावण जन्म लेने वाला है। जो समझाने पर भी अभिमानवश स्वयं को गलत मार्ग पर आगे बढ़ने से नहीं रोक पाता समझ लेना उसके भीतर रावण जन्म लेने वाला है। सत्ता मिलने के बाद जो धमण्ड में डूब जाता है समझ लेना भीतर रावण का जन्म हो रहा है। सत्ता के साथ धमण्ड व अभिमान बर्बाद कर देता है इसके इतिहास में कई उदाहरण है। पूज्य समकितमुनिजी ने कहा कि जैन धर्म ऐसा धर्म है जो वर्तमान के साथ भविष्य भी देखता है। जैन आगम में 9 रावण बताए गए है, इन्हें प्रतिवासुदेव नाम भी दिया गया है। जब-जब रावण जन्म लेता है तब राम भी जन्म लेते है। उन्होंने कहा कि तीर्थंकर परमात्मा की वाणी अनुकंपा से लबरेज होती है। हम जो पुण्यकर्म व सद्कर्म करते है वह महत्वपूर्ण है। पुण्यकर्म इस जन्म के साथ आगे के जन्म में भी फलते है। समय-समय पर पुण्य के बीज बोते रहे तो पुण्य का कल्पवृक्ष कभी मुरझाएगां नहीं। वर्तमान में धर्म के प्रति लोगों का रूझान बढ़ रहा है एवं धार्मिक जागृति भी आई है। लोगों में धर्म यात्राएं निकालने की होड़ है और भावनात्मक जुड़ाव भी धर्म से बढ़ रहा है। शुरू में गायन कुशल जयवंतमुनिजी ने प्रेरणादायी गीत की प्रस्तुति दी। धर्मसभा में प्रेरणाकुशल भवान्तमुनिजी म.सा. का भी सानिध्य मिला। अतिथियों का स्वागत शांतिभवन श्रीसंघ के अध्यक्ष राजेन्द्र चीपड़ ने किया। धर्मसभा का संचालन श्रीसंघ के मंत्री राजेन्द्र सुराना ने किया।

निरापराध जीवों को संकल्पपूर्वक नहीं मारने का कराया व्रत

पूज्य समकितमुनिजी ने श्रावक-श्राविकाओं के बारह व्रतों की चर्चा करते हुए कहा कि इनमें से पहला व्रत है निरापराधी जीव को नहीं सताउंगा। ये एक व्रत ग्रहण कर ले जिसने मेरा कोई नुकसान नहीं किया, कोई कष्ट-तकलीफ नहीं पहुंचाई ऐसे त्रस्त (चलते-फिरते) जीव को संकल्पपूर्वक नहीं मारूंगा। अनजाने में हो गया तो माफ है। उन्होंने त्रस्त जीव को संकल्पपूर्वक नहीं मारने का पहला व्रत अंगीकार कराया। मुनिश्री ने कहा कि ऐसा करने से अनंता-अनंत जीवों को अभयदान मिलता है और कितने ही जीवों को खुशियां मिल गई है।

जैन दिवाकर जयंति पर गुणानुवाद रविवार को

पूज्य समकितमुनिजी म.सा. के गतिमान चातुर्मास का अंतिम प्रवचन 8 नवंबर को होगा। इससे पूर्व 6 नवंबर रविवार को धर्मसभा में जैन दिवाकर चौथमल जी म.सा. की जयंति भी मनाते हुए गुणानुवाद किया जाएगा। इसी दिन धर्मसभा में श्रीसंघ की ओर से चातुर्मास के दौरान अलग-अलग दायित्वों का निर्वहन करते हुए श्रेष्ठ सेवाएं देने वाले चातुर्मास समिति के सदस्यों एवं श्रीसंघ के कर्मचारियों का सम्मान किया जाएगा। चातुर्मास का समापन 8 नवंबर को लोकाशाह जयंति पर होगा। श्रावक-श्राविकाएं जप-तप व भक्ति का नया इतिहास बनाने वाले इस चातुर्मास को लेकर मन के भाव भी 7 व 8 नवंबर की धर्मसभा में व्यक्त करेंगे। चातुर्मास समाप्ति के बाद 9 नवंबर को सुबह 8.15 बजे पूज्य समकितमुनिजी म.सा. शांतिभवन से वर्धमान कॉलोनी स्थित अंबेश भवन के लिए विहार करेंगे। मुनिश्री का 10 नवंबर को न्यू आजादनगर एवं चन्द्रशेखर आजादनगर, 11 नवंबर को श्याम विहार एवं 12 व 13 नवंबर को यश सिद्ध स्वाध्याय भवन में प्रवास रहेगा।

जैन सोश्यल ग्रुप मानसरोवर की दो दिवसीय धार्मिक यात्रा 12 व 13 नवम्बर को

जयपुर. शाबाश इंडिया। जैन सोश्यल ग्रुप मानसरोवर द्वारा दो दिवसीय धार्मिक यात्रा का आयोजन 12 व 13 नवम्बर को आयोजित की जायेगी। ग्रुप अध्यक्ष ज्योतिषाचार्य पंडित विनोद जैन शास्त्री ने बताया कि शनिवार 12 नवंबर 2022 को प्रातः 6 बजे जयपुर से रेल द्वारा जोधपुर 10 बजे पहुंच कर जोधपुर में दिगंबर जैन मंदिर के दर्शन करेंगे। सचिव सोभागमल जैन ने बताया को भोजन के पश्चात AC बसो के द्वारा जीरावाला व न्यू पावापुरी के दर्शन करते हुए रात्रि विश्राम नाकोड़ा जी में करेंगे है। दिनांक 13 नवंबर 2022 को प्रातः नाकोड़ा तीर्थ क्षेत्र के दर्शन व भोजन के पश्चात बालोतरा में दिगंबर जैन मंदिर के दर्शन करते हुए जोधपुर से रेल द्वारा जयपुर के लिए रेलवे द्वारा रवाना होंगे।

भव्य रूप में 8 नवम्बर से मनेगा श्री निम्बार्क जयंती महोत्सव

जयपुर. शाबाश इंडिया। श्री सर्वेश्वर संसद परिकर की ओर से धार्मिक नगरी जयपुर में सुदर्शन चक्रावतार आद्याचार्य भगवान श्री निम्बार्क जयंती महोत्सव 8 नवम्बर से धूमधाम से मनाया जाएगा। आयोजन की तैयारियां जोरों पर चल रही है। जगद्गुरू निम्बाकाचार्या पीठाधीश्वर श्री श्रीजी महाराज के सानिध्य में मनाए जाने वाले इस महोत्सव के तहत 8 नवम्बर को श्री निम्बार्क भगवान के प्राकट्य दिवस के अवसर पर प्रभात फेरी निकाली जाएगी। प्रभातफेरी चांदनी चैक स्थित श्री आनन्द कृष्ण विहारी मंदिर से प्रातः 5.3० बजे प्रारम्भ होकर शहर के विभिन्न मार्गों से होते हुए पुनः प्रारंभ स्थान पर विसर्जित होगी। इसी दिन सायं 6.3० बजे श्री निम्बार्क निकुंज विहारी मंदिर हीरापुरा अजमेर रोड पर अभिषेक एवं बधाई गायन का आयोजन होगा। महोत्सव के तहत 9 नवम्बर को सायं 6 बजे आनन्दकृष्ण विहारी मंदिर में जगद्गुरू निम्बाकाचार्य पीठाधीश्वर श्री श्रीजी महाराज सहित देश के मूर्धन्य संत महंतों का आगमन, पूजन और प्रवचन होगा।

हर पल खुश और प्रसन्न रहने की मूल विद्या है मैत्री भाव : आचार्य श्री विशुद्ध सागर जी महाराज

राजेश जैन दद्दू. शाबाश इंडिया

रायपुर। सन्मति नगर फाफाडीह में शनिवार को आचार्यश्री विशुद्ध सागर जी महाराज ससंघ के पिच्छिका परिवर्तन का भव्य समारोह सानंद संपन्न हुआ। हजारों गुरुभक्तों ने इस अवसर पर मौजूद रहकर धर्मलाभ लिया। आचार्यश्री ने अपनी मंगल देशना में कहा कि दूसरे को दुख की उत्पत्ति न हो,ऐसा परिणाम अपने चित्त में रखने का नाम मैत्री है। महाव्रतों और अणुव्रतों की साधना उसी के लिए संभव है,जिसके अंदर मैत्री भाव आ चुका है। चौबीसों घंटे खुश और प्रसन्न रहने की मूल विद्या मैत्री भाव है। जिससे आप चाहोगे, जिसको देना चाहोगे, जिससे लेना चाहोगे, विश्वास मानों मैत्री भाव समाप्त हो जाएगा। लेना-देना तो व्यापार है2 मित्रों,यह मैत्री भाव नहीं है। ज्ञानियों विश्वास मानो जो अपनी चिंता नहीं करते दुनिया उनकी चिंता करती है। पुण्य नहीं हो तो शांत जीवन जीना, पुण्य अपने आप टपकेगा,मित्रों शांति का जीवन जियो। आचार्यश्री ने कहा कि संपूर्ण धार्मिक अनुष्ठान का उद्देश्य आत्म शुद्धि,आत्म संवेदन,जगत के प्राणी मात्र के प्रति मैत्री भाव है। तीसरा नेत्र खुले न खुले, मैत्री भाव की आंख खुल जाए तो तीसरा नेत्र (कैवल्यज्ञान) खुल जाएगा। मैत्री भाव बहुत विराट है, मित्रता विराट नहीं है। जिसे आप मित्र कहते हो, वह तो स्वार्थ का होता है। हम आपकी प्रशंसा करेंगे,आप मेरी प्रशंसा करते रहना, हम आपकी इच्छाओं की पूर्ति करेंगे, आप मेरी इच्छाओं की पूर्ति करते रहना, यह मैत्री भाव नहीं है, यह संसार की मित्रता है। आचार्यश्री ने कहा की ये पिच्छिका परिवर्तन कोई रूढी नहीं है,यह तो विज्ञान है,ये भौतिक नहीं, वीतराग विज्ञान हैं। कोई जीव यह न सोचे कि अहिंसा की व्याख्या करने वाले संत पक्षी के पंखों को रखते हैं। ऐसा आपकी सोच हो सकती है लेकिन आपको देखना चाहिए कि कौन से पक्षी के पंख हैं। मित्रों ये जिस पक्षी के पंख हैं वह पक्षी मयूर है। आचार्यश्री ने कहा कि मित्रों आसोज-कार्तिक के माह में मयूर स्वयं अपनी चोंच से अपने पंखों को निकाल देता है, अन्य पक्षी ऐसा नहीं करते। मयूर अपनी चोंच से जब उनको खुजली होती है,वजन बढ़ जाता है तो पंख निकालते हैं। मैंने उज्जैन में स्वयं मयूर को पंख निकालते देखा है। जो पक्षी मनुष्य को देखकर भाग जाते हैं,लेकिन जब हम शुद्धि को जाते थे तो वहां मयूर हमारे प्रवेश करते ही नाचते थे। वे जानते थे ये मेरा क्या बिगाड़ लेंगे, ये तो हमारे ही पंखों को लेकर घूम रहे हैं।

वैयावृत्ति कर संयमित जीवन जीने का प्रण लेने वालों को मिला आचार्यश्री से संयम का उपकरण

मंच संचालक मुनिश्री सुयश सागर जी ने कहा कि चारित्र मोहनी कर्म का नाश चारित्रवानों की सेवा करने से होता है। आहार दान,साधुओं की चर्या, वैयावृत्ति, सेवा करने से यह संभव है। आज धरती के देवताओं की पिच्छी परिवर्तन कार्यक्रम सानंद हुआ। वैयावृत्ति और सेवा में अग्रसर रहने वाले परम सौभाग्यसालियों को आचार्यश्री एवं मुनिराजों की पिच्छी प्राप्त हुई। जिन्हें पिच्छीयां प्राप्त हुई है,वे सभी भाग्यशाली हैं। जो वर्ष पर्यंत एक इंद्रिय से लेकर पांच इंद्रिय जीवों की रक्षा के लिए प्रयोग करेंगे। जो इस पिच्छी को लेकर पूरे देश में कहीं भी भ्रमण करते हैं,वे नियम से भविष्य में भगवान बनते हैं। जिन्होंने पिच्छी भेंट की हैं,उन्हें दोहरा लाभ मिला है। एक तो आचार्यश्री के करकमलों में पिच्छी भेंट कर पुण्य लाभ मिला है और दूसरा आचार्यश्री के माध्यम से पिच्छी मुनिश्री को मिली, इसका भी पुण्य लाभ प्राप्त किया। साथ ही पुरानी पिच्छी को आचार्यश्री विशुद्ध ने वैयावृत्ति और सेवा करने वाले गुरु भक्तों को प्रदान की,इसका महापुण्य लाभ भी मिला। वास्तव में यह चातुर्मास फाफाडीह में नहीं बल्कि राजधानी में हुआ है। केवल रायपुर छत्तीसगढ़ में नहीं बल्कि भारत और पूरे विश्व में आचार्यश्री ने चातुर्मास किया है।

बाल ब्रह्मचारिणी विशु दीदी के निर्देशन मे लोकसभा अध्यक्ष को किया आमंत्रित

कोटा. शाबाश इंडिया। परम पूज्यनीय जिनागम पंथ प्रवर्तक भावलिंगी संत , श्रमानाचार्य गुरुदेव श्री विमर्श सागर महामुनिराज के 50वे अवतरण दिवस (स्वर्णिम विमर्श उत्सव) के उपलक्ष मे कोटा मे 5 नवम्बर को लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला से मिलकर उनको 13 से15 नवंबर तक एटा में होने जा रहे स्वर्णिम विमर्श उत्सव के लिए बाल ब्रह्मचारिणी विशु दीदी के निर्देशन मे एटा से पधारे प्रतिनिधिमण्डल एवं कोटा समाज ने आमंत्रित किया। इस हेतु बिरला ने 15 नवंबर के लिए अपनी स्वीकृति प्रदान की। प्रतिनिधिमंडल मे एटा समाज के अध्यक्ष योगेश कुमार जैन,विमर्श जागृति मंच के राष्ट्रीय महामंत्री एवं भावलिंगी संत स्वर्णिम विमर्श उत्सव समिति के कार्याध्यक्ष प्रदीप जैन गुड्डू , विमर्श ऋषभ जैन , श्रीमति शशि जैन एटा से एवं कोटा से सकल दि जैन समाज के अध्यक्ष विमल नांता, परम सरंक्षक राजमल पाटोदी, जनरल मर्चेंट एसोसियेशन के अध्यक्ष राकेश मडिया, जैसवाल जैन समाज के अध्यक्ष महावीर कमलध्वज, भाजपा उद्योग प्रकोष्ठ के सह संयोजक भूपेंद्र जैन, निर्मल सेठी, हेमंत चांदखेड़ी, पारस जैन पिड़ावा एवम ब्रम्हानंद ग्रुप के अध्यक्ष राहुल जैसवाल आदि उपस्थित रहे।

श्रद्धांजलि

हमारे प्रिय मित्र

श्री चेतन भंसाली

(सुपुत्र श्री विमल चन्द जी भँसाली)

के आकस्मिक निधन पर हम सभी भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित करते है। वीर प्रभु से प्रार्थना करते है कि दिवगंत आत्मा को श्रीचरणों में स्थान प्रदान करें।

शोकाकुल पक्ष

विवेक - पूजा मेहता, विनय - डिंपल लोढ़ा
विनोद (मोनू) - रवीना छाबड़ा
अरुण- नीरजा यादव
आनंद - कल्पना अग्रवाल

|| श्री पार्श्वनाथाय नमः||

मूलनायक श्री 1008 पार्श्वनाथ भगवान
पार्श्वनाथ भवन

परम पूज्य आचार्य 108 श्री आदिसागर जी मुनिराज (अंकलीकर)

परम पूज्य आचार्य 108 श्री महावीरकीर्ति जी मुनिराज

परम पूज्य वात्सल्य रत्नाकर आचार्य 108 श्री विमलसागर जी मुनिराज

परम पूज्य तपस्वी सम्राट आचार्य 108 श्री सन्मतिसागर जी मुनिराज

जयपुर वर्षायोग 2022

वर्षायोग-2022 विश्व का सबसे बड़ा चातुर्मास गुलाबी नगरी जयपुर में

आचार्य श्री 108 आदिसागर जी (अंकलीकर) मुनिराज के चतुर्थ पट्टाधीश

युवाऋषि, प्राकृत ज्ञान केसरी, चर्या चक्रवर्ती, संयम भूषण, राष्ट्र संत

आचार्य श्री 108 सुनीलसागर जी मुनिराज

ससंघ का भव्य

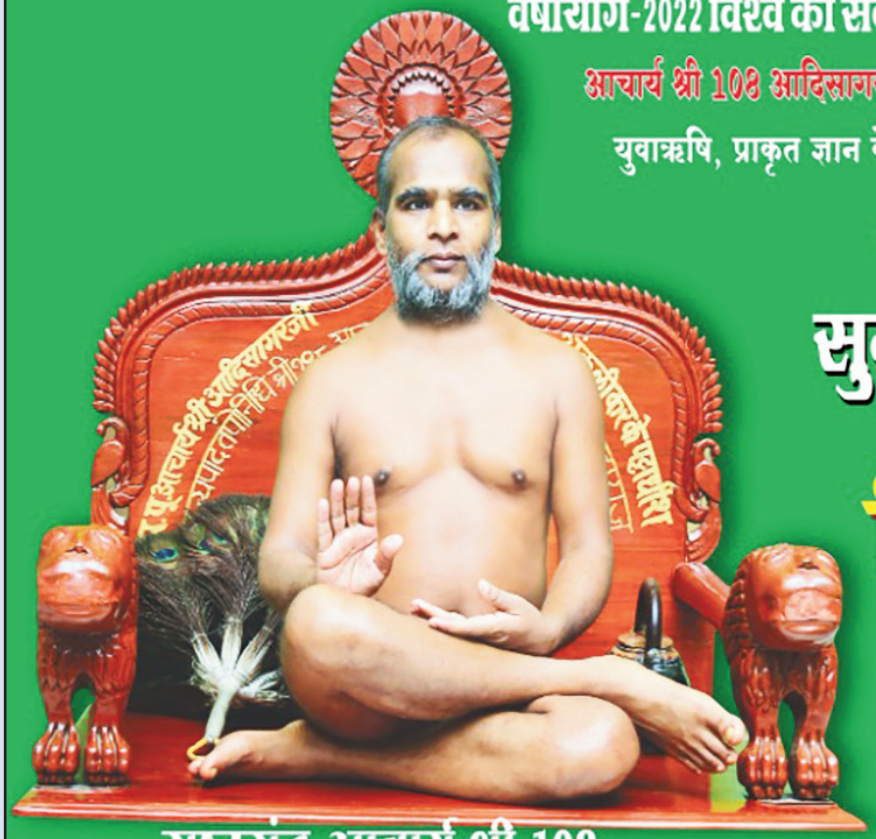

पिच्छिका परिवर्तन समारोह

राष्ट्रसंत आचार्य श्री 108
सुनीलसागर जी मुनिराज

रविवार, 6 नवम्बर, 2022
समय : 1.30

स्थान-भट्टारक जी की नसियां,
नारायणसिंह सर्किल, जयपुर

नोट : कार्यक्रम पश्चात् वात्सय भोज की व्यवस्था है।

निवेदक : आचार्य श्री सुनीलसागर वर्षायोग समिति - 2022

(अन्तर्गत-श्री दिगम्बर जैन मुनि संघ प्रबन्ध समिति, पार्श्वनाथ भवन, नाटाणियों का रास्ता, जयपुर)

नेट-थियेट पर थिरकते पावों ने बनाई पेंटिग

देबब्रत ने सुर-ताल और नृत्य से दिखाया विजअल आर्ट

जयपुर. शाबाश इंडिया। नेट-थियेट कार्यक्रमों की श्रृंखला में आज उडिसा के ओडिसी नृत्य कलाकार देबब्रत पाल ने अपने पैरों से पेंटिग बनाकर लोगों को अचंभित कर दिया। जब सितार के तारों से सुर निकल रहे थे और तिरकट पर उनके पैर ऐसे थिरक रहे थे जैसे साक्षात शिव तांडव कर रहे हों। इसी नृत्य भाव में संयोग से योग तत्व के चित्र को उकेरा। नेट-थियेट राजेन्द्र शर्मा राजू ने बताया कि अनिल मारवाड़ी की अवधारणा पर बने इस आभासी रंगमंच पर उडिशा मूल के देबब्रत ने एक प्रयोगात्मक शास्त्रीय नृतक हैं जिन्होंने अन्तर्राष्ट्रिय स्तर पर अपनी प्रतिभा

को प्रदर्शित कर अनेक पुरष्कारों से सम्मानित हो चुक हैं। देबब्रत ने पद्म विभूषण सोनल मानसिंह, कथक गुरू बिरजू महाराज, पद्म हेमा मालिनी, सुजात महापात्रा, कैलाश खैर और बिग बी अमिताभ बच्चन सहित अनेक प्रसिद्ध हस्तियों के चित्र बना कर प्रशंसा प्राप्त की। कलाकार देबब्रत अदभुद प्रतिभा के धनी हैं। आज उन्होंने संगीत और पैरों से जब योग तत्व की पेटिग नृत्य अभिनय के संयोजन से पूरी कर लोगों को अचंभित कर दिया इस प्रस्तुति की परिकल्पना देबब्रत पाल की रही एवं नृत्य संरचना ज्यार्तिमयी पटनायक का रहा। अभिनय में मनोज, अंकित, देवांग, जितेन्द्र सहोयग रहा। इनके साथ जयपुर के प्रसिद्ध कलाकार नसीरूद्धीन खां सितार पर और तबले पर फईम ने तबले की जुगलबंदी से ऐसा महौल बनाया कि कलाकार के पैर थिरकते रहे और पेटिग बनती चली गई।

उठावणा

हमारे प्रिय

श्री चेतन भंसाली

(पुत्र श्री विमलचंद भंसाली)

का आकस्मिक निधन दिनांक 4.11.2022 को हो गया है।

उठावणा 6.11.2022, रविवार को सांय 4 से 5 बजे

जैन दादाबाड़ी, मोती डूंगरी रोड पर रखा गया है।

शोकाकुल पक्ष

विमला-विमलचंद (माता-पिता), कनक (पत्नी), भव्य, भविष्य (पुत्र), रूपचंद (दादा), उत्तमचंद, पारस, सुरेश, राजेश (चाचा), श्रीमती गुणमाला लोढ़ा (बुआ), राजेश, प्रमेश लोढ़ा, सौरभ, पीयूष, मोहित (भाई) अंजली-मोहन जैन, रेणु दुग्गड़, तृप्ति-कपिल दुग्गड़ (बहन-बहनोई) सिद्ध, मुदित, तनिष्का (भांजे, भांजी) एवं भंसाली परिवार।

शोकाकुल ससुराल पक्ष

सुमतिचंद, सुनीलचंद (ससुर) सुरेशचंद, राजेश, संजय कोठारी

विशाल भजन संध्या का आयोजन

भक्तो ने केक काट मनाया बाबा श्याम का जन्मदिन

अर्पित जैन. शाबाश इंडिया।

भैंसलाना। श्री जाल वाले बालाजी मंदिर परिसर भैंसलाना में शुक्रवार को श्री श्याम मित्र मंडल के तत्वावधान में भजन संध्या का आयोजन हुआ जो देर रात तक चलता रहा। भजन संध्या में सबसे पहले गणेश वंदना कर गायक राजकुमार योगी लूणवा ने भजन संध्या का शुभारंभ किया। गणेश वंदना के बाद योगी द्वारा जगदम्बा मैया,बालाजी महाराज,शंकर भगवान आदि के भजनों की प्रस्तुत दी। भजन गायक बजरंग शर्मा ने पधारो म्हारे आंगने पधारो.....भजन पर भक्तो को नाचने पर मजबूर कर दिया। इसके बाद सीमा शर्मा जयपुर,पूनम कंवर जयपुर,शंकर श्याम दीवाना भैंसलाना सहित अन्य ने बाबा श्याम को अपने भजनों के माध्यम से रिझाया और भक्तो को भाव विभोर कर दिया। देर रात तक भक्त बाबा श्याम के कीर्तन सुनते रहे।

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका

@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

shabaasindia@gmail.com

weeklyshabaas@gmail.com